हिंदुस्तान 28/09/2026

मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के पादप रोग विज्ञान विभाग की ओर से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को समापन हुआ। इसमें प्रदेशभर के 92 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें नौ महिलाएं शामिल रहीं। विवि के शिक्षक डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. सेंथिलकुमार एस, डॉ. शिवानी चौधरी, डॉ. नाहिदा ए खान रहे।

अमर उजाला 28/09/2026

सीएसए में फसल प्रबंधन समझाया

कानपुर। सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग की ओर से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। इसमें प्रदेश भर के 92 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें नौ महिलाएं शामिल हैं। प्रतिभागियों में मशरूम का इतिहास, श्वेत बटन व ढिंगरी मशरूम उत्पादन, बीमारियां, कीट प्रबंधन और खेती के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में बताया। डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. सेंथिलकुमार एस, डॉ. शिवानी चौधरी, डॉ. नाहिदा ए खान शामिल हैं। (ब्यूरो)

कृषि विश्वविद्यालय में छः दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक हुआ सम्पन्न

हरिओम गुप्ता

कानपुर नगर, वक्त दर्शन कार्यालय गोपाल नगर संवाददाता चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा छः दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश के 92 प्रशिक्षणार्थियों, जिसमें 09 महिलाओं, ने भी प्रतिभाग किया। इन छः दिनों में प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान विभाग, डॉ. विनीता सिंह, प्राध्यापक, खाद्य विज्ञान एवं पोषण, डॉ. सेंथिलकुमार एस. एवं डॉ. शिवानी चौधरी, पादप रोग विज्ञान विभाग, डॉ. नाहिदा ए. खान, कीट

विज्ञान विभाग द्वारा मशरूम का इतिहास, श्वेत बटन मशरूम का उत्पादन, ढिंगरी मशरूम उत्पादन की तकनीकी के साथ मशरूम के मूल्यवर्धक उत्पाद, मशरूम व्यंजन, मशरूम की बीमारियाँ एवं कीट प्रबंधन, मशरूम फार्म संरचना तथा मशरूम की खेती के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया।

उमेश चन्द्र, जिला उद्यान अधिकारी. डॉ. धनंजय सिंह, फाउंडर एण्ड डायरेक्टर भारत एग्रीटेक तथा श्री शिवम त्रिपाठी, एमएसएमई द्वारा मशरूम के क्षेत्र में चलने वाली सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, लोन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण, स्पॉन उत्पादन एवं मशरूम फार्म संरचना के बारे में जानकारी दी। अन्तिम दिन प्रशिक्षणार्थियों को उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण साहित्य और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया ताकि भविष्य में उन्हें किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 18 अंक : 91 कानपुर, सोमवार 28 सितम्बर 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कृषि विश्वविद्यालय में छह दिवसीय मशरूम उत्पादन हुआ प्रशिक्षण

कानपुर। सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा छः दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रदेश के 92 प्रशिक्षणार्थियों, जिसमें 09 महिलाओं, ने भी प्रतिभाग किया। इन छः दिनों में प्रशिक्षणार्थियों को विश्वविद्यालय के शिक्षकों डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान विभाग, डॉ. विनीता सिंह, प्राध्यापक, खाद्य विज्ञान एवं पोषण, डॉ. सेंथिलकुमार एस. एवं डॉ. शिवानी चौधरी, पादप रोग विज्ञान विभाग, डॉ. नाहिदा ए. खान, कीट विज्ञान विभाग द्वारा मशरूम का इतिहास, श्वेत बटन मशरूम का उत्पादन, ढिंगरी मशरूम उत्पादन की तकनीकी के साथ मशरूम के मूल्यवर्धक उत्पाद, मशरूम व्यंजन, मशरूम की बीमारियाँ एवं कीट प्रबंधन, मशरूम फार्म संरचना तथा मशरूम की खेती के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया। उमेश चन्द्र, जिला उद्यान अधिकारी. डॉ. धनंजय सिंह, फाउंडर एण्ड डायरेक्टर भारत एग्रीटेक तथा शिवम त्रिपाठी, एमएसएमई द्वारा मशरूम के क्षेत्र में चलने वाली सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, लोन, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण, स्पॉन उत्पादन एवं मशरूम फार्म संरचना के बारे में जानकारी दी।

अन्तिम दिन प्रशिक्षणार्थियों को उनकी शंकाओं का समाधान भी किया गया। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण साहित्य और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया ताकि भविष्य में उन्हें किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

सीएसए में छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण संपन्न, 92 प्रशिक्षणार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया।

प्रशिक्षण में प्रदेश के 92 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिनमें नौ महिलाएं शामिल रहीं। प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने श्वेत बटन और ढिंगरी मशरूम के उत्पादन की तकनीक, मशरूम की बीमारियों एवं कीट प्रबंधन, फार्म संरचना, मूल्यवर्धक उत्पाद और मशरूम से बनने वाले व्यंजनों की जानकारी दी। प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम उत्पादन के दौरान आने वाली समस्याओं और उनके समाधान के बारे में भी बताया गया।

पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग की प्राध्यापक डॉ. विनीता सिंह, डॉ. सेंथिलकुमार एस., डॉ. शिवानी चौधरी और कीट विज्ञान विभाग की डॉ. नाहिदा ए. खान ने प्रशिक्षण दिया। जिला उद्यान अधिकारी उमेश चंद्र, भारत एग्रीटेक के फाउंडर एवं निदेशक डॉ. धनंजय सिंह और एमएसएमई के शिवम त्रिपाठी ने मशरूम उत्पादन से जुड़ी सरकारी योजनाओं, सब्सिडी, ऋण, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम औपचारिकीकरण योजना, स्पॉन उत्पादन और फार्म संरचना की जानकारी दी।

अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान किया गया। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण साहित्य और प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

मशरूम की खेती, मूल्यवर्धक उत्पाद और सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

Now access Dinar Times ePaper For FREE! Whatsapp 92195 22349 Send Messege Type EDT